त्रिलोकतीर्थ की रचना के लिऐ वक्ताओं ने कहा कि यह सभी के लिए आस्था का केन्द्र रहेगी। प्रख्यात कलाकार संजय पारिख एवं रही। आयोजन स्थल पर सूचना केन्द्र के माध्यम से मेले की सभी व्यवस्थाए चाकचौबंद करने में स्व्यंसेवकों ने कोई कसर नहीं परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं ने घर–बैठे त्रिलोकतीर्थ पंचकल्याणक प्रतिश्ठा महोत्सव का आनंद लिया।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2015 का आयोजन

मनोज कुमार।

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा के तत्वाधान में गत 10 से 12 मार्च के बीच त्रिदिवसीय किसान मेले का आयोजन हुआ जिसमें देशभर से किसानों, कृषि से लगाव रखनेवालों लोगों, कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इस बार मेला का विषय रहा "समग्र विकाश के लिए पूसा संस्थान की प्रौधोगिकियाँ।"

गौरतलब है कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्थान है जो कृषि में अनुसंधान कृषि प्रधौगिकी का विकास तथा कृषि शिक्षा व प्रसार के क्षेत्र में अव्वल रहा है तथा 1972 से कृषि मेले का आयोजन करता रहा है। कृषि विकास के लिए संस्थान ने अपने सफल प्रौधोगिकी का हस्तांतरण कर अनेक नवोन्मेषी मॉडल विकसित किए है जिससे भारतीय किसानों के सशक्तीकरण को बढ़ावा मिला है।

सम्मेलन तथा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

मेला समारोह की समाप्ति के अवसर पर भारत सरकार के **कृषि राज्यमंत्री डा. संजीव कुमार बालियान** मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे तथा समारोह की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के **कार्यकारी निदेशक डा. रविन्द्र कौर** ने किया। मेले के प्रथम दिन प्रमुख अतिथियों में **सामाजिक न्याय एवं कानून मंत्रालय के सुहासिनी राव, कृषि मंत्रालय में विशेष कार्यधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल, वी. मीना कुमारी, नाबार्ड के जनरल मैनेजर पी.सी. चौधरी** की सहभागिता रही।

पूसा संस्थान की कार्यकारी निदेशक डा. रविन्द्र कौर ने अपने संबोधन में कृषि से विदेशी मुद्रा की आमदनी, रोजगार संवंर्धन माइक्रोफाइनैंस, महिला कोष तथा कृषि में आधुनिक तकनीक का योगदान, के विषय पर जोर दिया।

अनुसंधान) पूर्व डीडीजी एम.पी. सिंह, डा. जे.पी. शर्मा (संयुक्त निदेशक, प्रसार), डा. एस. कृष्ण कुमार, प्रभु एस. पाटिल, ए. सूर्य प्रकाश, एस.के. मल्होत्रा, पुनीत कौर तथा डा. बी.के. सिंह (कैटट, प्रमुख) आदि ने उपस्थित लोगों व किसानों को उपयोगी जानकारियां दी। कृषि विज्ञान मेला में दूरदर्शन के किसान प्रश्नोत्री कार्यक्रम के अंतर्गत **कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों डा. रश्मि अग्रवाल, डा. नीरू भूषण, डा. सीमा, डा. श्रुति, डा. जे.पी. सिंह डबास, डा. सुभाष, डा. वी.आर.** सागर ने महिला तथा पुरूष किसान संवर्ग में अलग–अलग वैज्ञानिक पहलुओं से किसानों को अवगत कराया।

देशभर से आये चुनिंदा किसानों एवं कृषि उद्यमियों को कृषि **राज्य मंत्री डा. बालियान** ने उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। मेले में भारी संख्या में कृषि उत्पादों के विभिन्न स्टॉल भी लगाए गये। जिसमें **केएचएल के ईश्वर पुंडू, कृष्ण**

कृषि मेला समारोह में सर्वप्रथम 10 मार्च को इसका उद्घाटन कृषि मंत्रालय भारत सरकार के **सचिव सिराज हुसैन** द्वारा किया गया तथा अधिक उत्पादन और समग्र विकास के लिए फसल आधारित कृषि तकनीकियां विषय पर सत्र आयोजित किया गया। 11 मार्च को खेतिहर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं गोष्ठी तथा अधिक आय एवं रोजगार के लिए आधुनिक व अन्य तकनीकियां विषय पर सत्र तथा मेले के अंतिम दिन 12 मार्च को नवोन्मेषी किसान उन्होंने बिहार के मुजफ्फरपुर, पटना, मधुरापुर, झारखंड तथा नांगालैड़ के महिलाओं के द्वारा संचालित उद्यम तथा उनके कौशल विकास के संबंध मे कृषि विकास केन्द्र के कार्यों का उल्लेख किया। जिसमें **उत्तर प्रदेश से नीलम त्यागी, कृष्णा पीकल्स एवं पूनम कामरा** आदि की उपलब्धियों का जिक्र भी किया।

कृषि मेले में **आईसीएआर के डा. अयप्पन संस्थान के पूर्वनिदेशक डा. एच. एस गुप्ता, डा. गुरू वचन सिंह, डा. के.वी. प्रभु (संयुक्त निदेशक,**

लाल व कश्मीर, नीलम त्यागी, कृष्णा पिकल्स, बीज इंण्डिया प्रोड्यूसर कम्पनी के प्रीतम सिंह, प्रियदर्शनी महाराष्ट्र के बनीता सुनील तम्बाके, सावित्री, कुणाल गहलोत आदि प्रमुख थे।

पावन समाचार 17-23 मार्च 2015